BOSM 2022

हिन्दी प्रेस क्लब

दिवस 1 | अंक 1

स्पर्धा

अंदर पढ़िए:

बॉसम 2022 का आगाज़

स्पॉटलाइट: एक सपना

बॉसम: Roulette

चर्चा में

मुख्य अध्यक्ष से साक्षात्कार

Day 1 Event Schedule

Photo Credits:
Sports Publicity and Design Team

संपादकीय

"शिमला से दिल्ली जाने वाली किसी ट्रेन को, एक स्टेशन पर रुकना था। ट्रेन हमेशा की तरह कुछ मिनटों के लिए रुक गई। सचिन शतक के करीब थे, 98 पर बल्लेबाजी कर रहे थे। यात्री, रेलवे अधिकारी, और बाकी सभी लोग इंतजार कर रहे थे, सचिन के शतक पूरा करने के लिए।" यह प्रतिभा, यह खेल भारत में समय को रोक सकती है! कितना दिलचस्प है ना, जहाँ एक खेल, एक प्रतिभा हमेशा समय से चलने वाली साँसों तक को रोक सकती है।

खेल, यह मात्र एक शब्द नहीं बल्कि एक भावना है जो आपको, मुझे, और हम सबको जोड़े रखती है। इन खेलों को नया जीवन देती है नयी युवा प्रतिभाएं जो कि जोश और उत्साह के साथ कीर्तिमान बनाने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं। ऐसी प्रतिभाओं के लिए समय-समय पर प्रतियोगिताएं उनकी तैयारीयों मे एक नया जोश भर्ती है।

इसी नए जोश और उत्साह के साथ बिट्स पिलानी ने 3 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद **बॉसम** (BITS Open Sports Meet) के 35वे संस्करण का आयोजन किया है। यह मात्र एक फेस्ट नहीं बल्कि इन युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा को परखने का मौका हैं। बॉसम 2022 की थीम "**राइज़ टू ग्लोरी**" है। यह महामारी के बाद सामान्य स्थिति में होने वाले मेगा स्पोर्ट्स फेस्ट की महिमा का प्रतीक है। खेल आयोजन और गौरव के लिए तैयार किया जा रहा यह मंच हमें सफलता की कहानियों और प्रयासों के बारे में बताता है। बॉसम न केवल एक खेल आयोजन है बल्कि यह प्रोफ शो, प्रदर्शनियों, वार्ता और कई अन्य रोमांचक कार्यक्रमों के साथ भी आता है।

इस सत्र के सम्पादकीय से हम बॉसम मे भाग लेने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएँ देते है। हम सभी डिपार्टमेंट्स और क्लब्स का आभार व्यक्त करते है जो बॉसम को सफल बनाने मे पूरा योगदान दे रहे हैं। हमारा बिट्स की जनता से विनम्र निवेदन है कि खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने जोर-शोर से अपना दर्शक बनने का कर्त्तव्य निभाए।

इस अंक मे आप बॉसम मे होने वाली गतिविधियों का एक संक्षिप्त वृतांत पाएंगे। साथ ही, आप बॉसम के चीफ़ गेस्ट श्री जीतू राय का साक्षात्कार भी पढ़ेंगे।

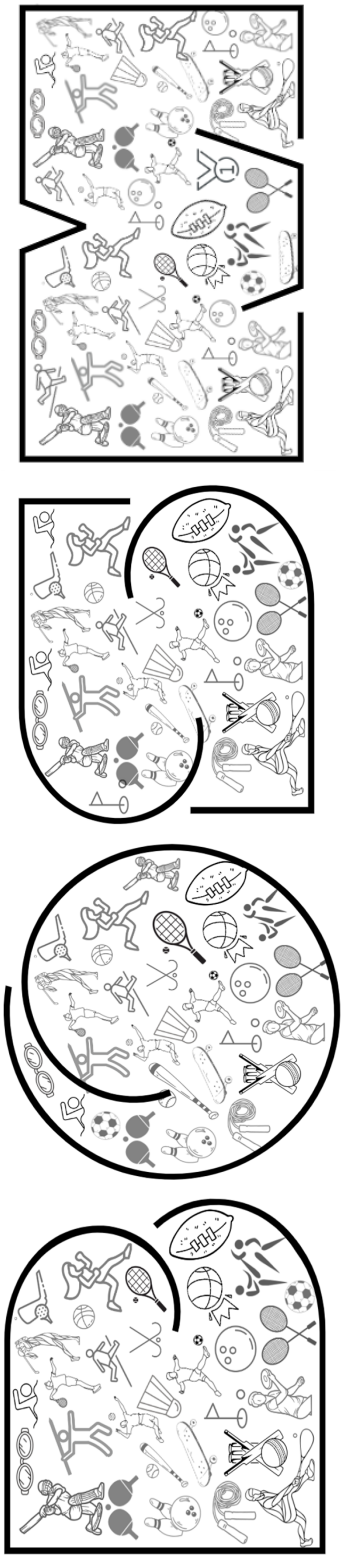

बॉसम 2022 का आगाज़

दो साल के लंबे अंतराल के बाद आखिरकार वो समय आ ही गया जिसका सभी खिलाड़ियों को बेसबरी से इंतज़ार था। BOSM अर्थात बिट्स ओपन स्पोर्ट्स मीट का आगाज़ 14 अक्टूबर 2022 को हो गया है। जैसा कि सबको आशा थी कि बॉसम 2022 सभी को उत्साह और उमंग से भर देगा, ठीक ऐसा ही उद्घाटन समारोह में देखने को मिला।

उद्घाटन का भव्य आयोजन मुख्य ऑडिटोरियम में किया गया। सबसे पहले तो जैसा कि बिट्स की प्रथा रही है राइट अप की उसी पथ का अनुसरण करते हुए सभी कोसैक, सह खेल सचिव और मुख्य खेल सचिव को एक-एक करके मंच पर आमंत्रित किया गया और हर एक के आगमन पर गाना बजाया गया जिस पर उनकी प्रतिक्रिया देखने लायक रही। प्रत्येक कोसैक पर तंज कसा जा रहा था जिसका जनता ने जमकर आनंद उठाया।

इसके बाद इस वर्ष बॉसम के मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर जीतू राय व प्रो.सुधीर कुमार बरई का स्वागत किया गया। अतिथियों के आगमन पर गुरुकुल द्वारा प्रस्तुत किये गये संगीतमय कार्यक्रम ने समारोह की आभा को और अधिक बढ़ा दिया।

गुरुकुल की प्रस्तुति के पश्चात DVM ने बॉसम 2022 ऐप के बारे में जानकारी दी जिसके द्वारा सभी खिलाड़ी व अतिथिगण बिट्स परिसर में उपलब्ध सभी प्रकार की सुविधाओं के बारे जान सकते हैं। इसी बीच ओएसिस 2022 का थीम 'Demesne of the lost gold' भी जारी की गयी। आपको बता दें कि ओएसिस बिट्स पिलानी का एक कल्चरल फेस्ट है जिसका आयोजन नवम्बर माह में किया जायेगा।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने दीप पप्रज्वलन कर आयोजन को आरंभ किया। सभी ने तालियों के साथ इस क्षण में अपनी सहभागिता दिखाई। बिट्स पिलानी के डायरेक्टर प्रो. सुधीर कुमार बरई ने सभी को संबोधित किया। उन्होंने इस बात से भी सभी को अवगत करवाया कि बिट्स पिलानी के 1994 बैच के खिलाड़ी एम.एस. वेंकटेश के सम्मान में उन्हीं के सहपाठियों ने एम.एस. वेंकटेश खेल पुरस्कार की घोषणा की। इसे प्रति वर्ष खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन खिलाड़ियों को दिया जायेगा ।इसी में इनाम के तौर पर धनराशी प्रदान की जायेगी।

'एक सपना टूट जाने के बाद दूसरा सपना देखते हुए उसे हासिल करना ही जिंदगी है' इन्हीं वचनों के साथ उन्होंने अपना स्थान ग्रहण किया।

इसके बाद मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर जीतू राय को माइक पर आमंत्रित किया गया। उन्होंने बड़ी ही नम्रता के साथ सबसे पहले उन्हें मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित करने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक व्यक्ति कठिन परिश्रम, त्याग और अनुशासन के बल पर जीवन में किसी भी ऊंचाई तक पहुँच सकता है।

उन्होंने नेपाल के छोटे गाँव संखुवासभा से शुरू हुई अपनी खेल जगत की यात्रा के बारे में भी बताया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस तरह उन्होनें कम सुविधाओं में भी अपनी खेल की तैयारी जारी रखी। वे अपनी किसी भी हार को सदैव एक चुनौती समझते हैं और उसे पार करने के लिए जी जान से मेहनत करते हैं। वे सदैव ही अपने अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ते रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे मोबाइल इत्यादि उपकरणों से दूर रहकर उन्होंने अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान दिया। घर में आर्थिक दिक्कतों के बावजूद भी उन्होंने कठिन परिश्रम किया, दिन-रात मेहनत की और इसका परिणाम यह रहा कि उन्होंने 2014 वर्ल्ड कप में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। इसके बाद उन्हें काफ़ी प्रोत्साहन मिला और उनका खेल निखरता ही चला गया। उन्होंने बॉसम जैसे खेल आयोजनों की प्रशंसा करते हुए सभी का उत्साह वर्धन किया।

मुख्य अतिथि के संबोधन के बाद खेल सचिव एकांश अग्रवाल व अन्य खिलाड़ियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ जिसके बाद उन्होंने भाषण देते हुए उन सभी को धन्यवाद कहा जिन्होंने उनकी यहाँ तक पहुँचने में सहायता की।

इसके बाद मुख्य अतिथि ने GymG में मशाल प्रज्वलन द्वारा बॉसम 2022 का आगाज़ किया।

स्पॉटलाइट: एक सपना

आज सुबह से ही पूरे शहर में काफ़ी चहल-पहल हो रही थी। ठंड की सुबह में हलकी सी धूप से मौसम में अलग ही ताज़गी छाई हुई थी। चारों तरफ इंडिया-इंडिया के नारे लग रहे थे, और हो भी क्यों ना आखिर आज इंडिया का क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच जो है। मैंने तो अपने दोस्त के साथ पहले ही मैच के टिकेट खरीद लिए थे। इस दिन के लिए मैं काफ़ी उत्साहित था इसलिए सुबह छह बजे से उठकर जल्दी से तैयार हो गया था। मैं अपने दोस्त के साथ स्टेडियम के लिए काफी जल्दी निकल गया था क्योंकि उसकी सीटे कमेंटरी बॉक्स के पास थी। रास्ते में इतनी भीड़ थी कि लग रहा था पूरा शहर ही स्टेडियम जा रहा है। हम वहाँ से जाकर अपनी सीट पर बैठ गए और मैच का आनंद लेने के लिए समोसे- कोल्डड्रिंक ले लिए। सब अच्छा चल ही रहा था कि हमें अचानक से कमेंट्री बॉक्स में काफी ज्यादा हलचल दिखाई दी।

हमने जानने की कोशिश की तो पता चला कि वहा पर कमेंट्री कर रहे कपिल देव की तबियत अचानक से खराब हो गयी है जिससे उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर जाना पड़ा। पड़ताल करने पर पता चला कि स्टेडियम में एक हिंदी कमेंटेटर की कमी हो गयी है, और वह एक हिंदी वक्ता की तलाश में है। मुझे यह काफ़ी अच्छा अवसर लगा और मैने कमेंट्री करने के लिए हाँ कर दिया। यह मेरे बचपन से ही इच्छा थी कि एक बार तो किसी लाइव मैच में कमेंट्री करनी है। यह मेरे लिए काफ़ी अलग अनुभव था, “चौकों-छक्को की बारिश”, “विकटों का पतन”, “आग उगलती गेंदबाज़ी”, “दर्शक बने फील्डर- फील्डर बने दर्शक”, “नज़ाकत भरा शॉट”, आदि वाक्यों का प्रयोग करते हुए मैंने लगभग एक घंटे से ज्यादा कमेंट्री की। अब मैच एकदम अपने अंतिम क्षण पर आ चुका था और इंडिया को आखिरी गेंद पर चार रन की आवश्यकता थी, क्रीज़ पर रोहित शर्मा अभी भी खड़े थे। चारों तरफ “इंडिया-इंडिया” के नारे लग रहे थे, मैच काफ़ी रोमांचक मोड़ पर आ चुका था। गेंदबाज़ गेंद डालने वाला ही था कि.....घड़ी का अलार्म टर्र! टर्र! टर्र! करने लगा। सुबह उठकर पता चलता है कि वो सिर्फ एक सपना था। मतलब यदि यह सपना खत्म ही नही होता या फिर यह मैच का परिणाम निकलने के बाद खत्म होता तो कितना अच्छा रहता। उठकर मुझे थोड़ी निराशा हुई कि कितना अच्छा सपना चल रहा था और वों खत्म हो गया। थोड़ी देर पश्चात मेस जाते समय मुझे बॉसम हिंदी प्रेस का पोस्टर दिखा, जिसमें मैंने उनके इवेंट SPOTLIGHT के बारे में पढ़ा। इस आयोजन में हम सभी को क्रिकेट और बास्केटबॉल के मैच में कमेंट्री करने का मौका मिलेगा। सच में, मैं इसके लिए काफ़ी उत्साहित हूँ, यह मेरे बचपन से ही इच्छा थी कि किसी मैच में कमेंट्री करू। अगर आप भी इस इवेंट के लिए इच्छुक है या आपको भी लोगों के उपर टिपण्णी करने की आदत है तो आईये स्पॉटलाइट में मिलते है।

बॉसम ROULETTE

बॉसम के अवसर पर BITS पिलानी के कोडिंग क्लब ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ROULETTE APP का निर्माण किया है। इस ऐप का परम उद्देश्य है मैच के अनुमान पर बाज़ी लगाना। ऐप के द्वारा उपयोगकर्ता कैम्पस पर हो रहे सभी मैचों की सारणी जान सकते हैं; कौनसा मैच हो चूका है, कौनसा चल रहा है और कौनसा कब होना है, यह सब ऐप पर मौजूद होगा। गूगल प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड कर आप अपनी मनपसंद टीम पर बाज़ी लगा सकते हैं। ऐप पर आप अपना अवतार तैयार कर सकते हैं और अपने अनुसार उसका रूप बदल सकते हैं। उपयोगकर्ता सभी टीमों का विश्लेषण कर अनुमान लगा सकते हैं कि विजेता कौन होगा और टीमों के जीतने व हारने पर बाज़ी लगा सकते हैं। हर शर्त जीतने पर पोइंट्स हासिल होंगे। कुछ पोइंट्स इक्कठे कर उन्हें QR CODE द्वारा KIND STORE पर रीडीम किया जा सकता है। जितनी कठिन शर्तें आप जीतते हैं, उतने ही ज्यादा पोइंट्स मिलते हैं। व्हील स्पिन कर खास पोइंट्स जीत आप लीडर बोर्ड पर अपने दोस्तों व अन्य उपयोगकर्ताओं से मुकाबला भी कर सकते हैं। तो और समय न ज़ाया कर, जल्द-से-जल्द ROULETTE APP डाउनलोड करें, अपनी पसंदीदा टीम पर बाज़ी लगाइए, और ढेर सारे पोइंट्स जीतें।

चर्चा में ...

“बॉसम में, मैं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहा हूँ।” जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन एंड टेक्नोलोजी के बास्केटबॉल टीम के कप्तान भूषण गुप्ता से बॉसम हिंदी प्रेस ने भागीदारी और प्रतिस्पर्धा के विषय में चर्चा की।
बॉसम 2022 के बारे में, टीम को दो महीने पहले पता चला और इसकी तैयारी हमने दो महीने पहले शुरु की। बास्केटबॉल एक ऐसा खेल है जिसमें ज़्यादा संसाधनों की जरुरत नहीं पड़ती है। बॉसम में, हम निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और कड़ी चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि फेस्ट में काफ़ी बेहतरीन कौशल वाली टीम भाग लेने वाली हैं। मैं शानदार प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहा हूँ।हमारे कॉलेज में सारे स्पोर्ट्स को काफ़ी बढ़ावा मिलता है और इसके लिए ज़रुरी संसाधन भी प्रदान किए जाते हैं।मेरा पाठकों और खिलाड़ियों के लिए यह संदेश है कि आप खेल का आनंद लें।

“मैं चाहता हूँ कि प्रत्येक खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें।” गलगोटियास यूनीवर्सिटी के क्रिकेट टीम के कप्तान आयुष, फेस्ट को लेकर साक्षात्कार में काफ़ी उत्साहित दिखें।

हमारी टीम को सितम्बर के महीने में बॉसम के बारे में जानकारी मिली और हमने तैयारी उसी के अनुसार शुरु की। हमारा लक्ष्य, टूर्नामेंट में ट्राफी जितना है क्योंकि बॉसम पूरे दो साल बाद होने जा रहा है। हम कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि अन्य टीम काफ़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहें हैं। यह काफ़ी प्रशंसनीय है कि फेस्ट का पूरा प्रबंधन छात्र कर रहे हैं। हमें आने के साथ ही नियमों से अवगत करवा दिया गया है, जो यह दर्शाता है कि फेस्ट काफ़ी सुचारू रूप से चल रहा है। हमारे कॉलेज ने अभ्यास के लिए सारे संसाधन प्रदान किए जिससे हमारे अभ्यास में कोई बाधा नहीं आई। मेरा अन्य खिलाड़ियों के लिए संदेश है कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें।

आई. आई. आई. टी. कोटा
महिला एथलेटिक्स और पुरुष फुटबाल
हमारे कॉलेज में सुविधाएँ अच्छी हैं, लगबग जो हमें चाहिए था, वो हैं और जिस वस्तु की आवश्यकता थी, हमने उसका भी इंतज़ाम कॉलेज से कहकर कर लिया था। हमें उम्मीद है कि हम काफ़ी यादें बनाकर जाएँगे और हमें विश्वास है कि हम अच्छा करके जाएंगे क्योंकि हमने काफ़ी मेहनत की है। हमें उम्मीद है कि काफ़ी अच्छी टीम्स से हमारा मुकाबला होगा, खासकर दिल्ली यूनिवेर्सिटी से जो कॉलेज है, जिनमें खेल कोटा होता है, उनसे हमें अच्छे मुकाबले की उम्मीद हैं। हम यही संदेश देना चाहते हैं कि जो भी इधर आए, अच्छे से तैयारी करके आए क्योंकि यहाँ काफ़ी टीम्स हैं और तगड़ा मुकाबला होने की संभावना लगती है।

कमला नेहरु कॉलेज- दिल्ली
महिला फूटबॉल
हम बॉसम के लिए एक सप्ताह से तैयारी कर रहें हैं, हमारी एक आपसी दोस्त ने हमें इसका आमंत्रण भेजा था जिसके बाद हमने बॉसम को मद्देनज़र रखते हुए हमारी तैयारी की। हमारी बॉसम से उम्मीदें काफ़ी अधिक थी परंतु हम निराश हैं क्योंकि हम दोपहर बारह बजे से शाम के 6 बजे तक आवास मिलने का इंतेज़ार कर रहें थे । बॉसम काफ़ी प्रचलित हैं और हमसे 1500 रुपये भी लिए गए हैं जो की एक छोटी रकम नहीं है तो उस हिसाब से हम काफ़ी निराश हैं। हम जब यहाँ पर पहुंचे तो हमें पता चला कि केवल तीन टीम आयी हैं तो अगर हम हार भी जातें हैं तो हमें कस्य पदक तो मिल ही जायेगा। हमारी सरकारी कॉलेज होने के कारन साधन बिट्स से कम हैं परंतु हमें काफ़ी प्रोत्साहन मिलता है कॉलेज की तरफ़ से।

मानव रचना यूनिवेर्सिटी- फरीदाबाद
बॉय्ज़ फुटबाल

हम कोई विशिष्ट टूर्नामेंट के लिए तैयारी नहीं करते हैं, सीज़न जब चलता है, तो टूर्नामेंट आते रहते हैं। हम कोशिश करते हैं कि हमारी टीम का सम्बंध खेल मैदान के बहार भी अच्छा बना रहे जो खेलते समय भी दिखाई देता है। अभी जितना देखने को मिला है, उस हिसाब से हम बॉसम के लिए काफ़ी उत्साहित हैं, मैदान सुन्दर है, लाइटस काफ़ी शानदार हैं और माहौल भी रोमांचक है। हम अच्छी टीम्स की अपेक्षा कर रहें हैं और अपनी तरफ़ से जी-जान लगा देंगे ताकि हम जीत सकें। हमारे कॉलेज का मुख्य खेल शूटिंग है परंतु अभी बाकी खेलों के लिए भी प्रावधान किए जा रहे हैं जैसे कि, बास्केटबाल एवं फुटबाल के मैदानों को भी बनाया गया है। हमारी तरफ़ से सबको यही संदेश है कि वे अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन दिखाएं और हम भी पूरी कोशिश करेंगे विजयी होने के लिए ।

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स– दिल्ली
बॉय्ज़ हॉकी

हमने हमारे सीन्यर्ज़ से काफ़ी सुना था बॉसम के बारे में इसलिए हमें एक अच्छा अनुमान था कि यह कैसा होगा। हमारी टीम ने पिछले बॉसम में रजत पदक प्राप्त किया था तो इस बार हमारा लक्ष्य है कि हम जीत कर ही वापस लौटें । हमने सुना है कि यहाँ काफ़ी अच्छे कॉमेडियन और कलाकार आतें हैं तो खेल के अलावा हम इन चीज़ों के लिए भी काफ़ी उत्साहित हैं। कोविड की वजह से हमें काफ़ी तकलीफों का सामना करना पड़ा था क्योंकि तब हॉकी के मैदान बंद थे पर अभी हम एक अच्छे और सफ़ल टूर्नामेंट की उम्मीद रख के यहाँ आए हैं। हमारा कॉलेज खेल के मामले में काफ़ी अच्छे स्तर पर है और इसका कारण सुविधाएं और प्रोत्साहन है जो हमें कॉलेज की तरफ़ से मिलता है। हमारा संदेश यह है कि खेल और स्वास्थ्य की महत्वता केवल एक खिलाड़ी के जीवन तक ही सीमित नहीं है परंतु सभी को इसे अपनाना चाहिए क्योंकि यह आपके जीवन में बहुत सुधार लाता है।

“हम कड़ी चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं।” पंडित दीनदयाल यूनिवर्सिटी के अलटीमेट फ्रिसबी के कप्तान पर्ल जैसवाल ने साक्षात्कार में टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को लेकर आश्वासित किया।

टीम पिछले दो महीने से बॉसम 2022 की तैयारियों में जुटी हुई है। फ्रिसबी के अभ्यास के लिए कोंस, मैदान और फ्रिसबी डिस्क की जरूरत पड़ती है। हम टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं परन्तु हमें विश्वास है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। फ्रिसबी काफ़ी नया खेल है और फेस्ट के माध्यम से हम नए खिलाड़ियों से जुड़ने की उम्मीद रखते हैं। हमारे कैम्पस पर फ्रिसबी खेल का प्रचलन चला आ रहा है और अन्य खेलों को भी काफ़ी बढ़ावा मिलता है। मेरा खिलाड़ियों और पाठकों के लिए यह संदेश है कि आप हमारा खेल देखने अवश्य आयें।

“आप हमसे कड़ी चुनौती की उम्मीद कर सकते हैं।” मानव रचना युनिवर्सिटी का वालीबॉल टीम जीतने के लक्ष्य से बॉसम में भाग लेनी आई है। बॉसम हिंदी प्रेस के साक्षात्कार में टीम फेस्ट को लेकर काफ़ी उत्साहित दिखी।

हम टूर्नामेंट के लिए पिछले दो महीने से तैयारी कर रहे हैं और मैच में विजय होने की आशा लेकर आये हैं। यह हमारा पहला फेस्ट है जिसके कारण हम काफ़ी उत्साहित हैं और फेस्ट में नयी यादें बनाने के मकसद से आये हैं। हमारे कॉलेज ने अभ्यास के लिए सारे संसाधन उप्युक्त करवाएं हैं ,जैसे बॉल, कोर्ट और प्रशिक्षक और हमने दो महीने काफ़ी लगन से अभ्यास किया है। मेरा पाठकों और खिलाड़ियों के लिए यह संदेश है कि आप हमसे कड़ी प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा कर सकते हैं।

मुख्य अतिथि का साक्षात्कार

विश्वपटल पर भारत का नाम रौशन करने वाले, कड़ी मेहनत और अनुशासन का पर्याय-बॉसम 2022 में मुख्य अतिथि पद्म श्री सूबेदार-मेजर जीतू राय ने बॉसम हिन्दी प्रेस से वार्ता करते हुए अपने विचार साझा किये।

Q.1. आपके अनुसार ऐसे कॉलेज में होने वाले खेल महोत्सव से देश की खेल प्रवृत्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?

Ans. सबसे पहले तो हर स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई के साथ-साथ खेल को भी महत्वता दी जानी चाहिए| इससे शारीरिक और मानसिक विकास होता है| पढ़ाई के साथ खेल में भाग लेने से मन ताज़ा हो जाता है जिससे पढ़ाई में भी मन ज़्यादा लगता है| खेल एक विद्यार्थी का खाली समय लेता है जिससे उनके गलत रास्ते पर जाने की सम्भावना कम हो जाती है|

Q.2. ज़्यादातर ऐसा देखा जाता है कि लोग बचपन में ही अपने जीवन के बारे में सोच लेते हैं। क्या आपका रुझान बचपन से ही शूटिंग की ओर रहा है?

Ans. नहीं ऐसा नहीं है, मैंने बचपन से ऐसा कुछ नहीं सोचा था। जब मैं फ़ौज मैं था तो ट्रेनिंग के दौरान 9 MM पिस्टल का इस्तमाल करता था। धीरे-धीरे मेरी रूचि भी बढ़ने लगी। 2009 से मैंने इंटरनैशनल खेलना शुरू किया।

Q.3. शुरुआत में एक मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है। आपको शूटिंग सिखाने में किस-किस का योगदान रहा है?

Ans. फ़ौज में दो अच्छे खिलाड़ी थे। उन्हें देखकर मुझे भी सीखने की प्रेरणा मिलती रही। मेरी मेहनत और उनके मार्गदर्शन से मैं आगे बढ़ता गया और अच्छा प्रदर्शन करने लगा। शुरुआत में एक खिलाड़ी के भीतर मेहनत, त्याग, अनुशासन और धैर्य का समावेश होना बहुत ज़रूरी होता है। मैंने इस बात का हमेशा ध्यान रखा।

Q.4. अन्य पेशों में सीखने के साधन काफ़ी अधिक होते हैं परंतु खेल में यह सुविधा थोड़ी दुर्लभ है| यदि किसी को शूटिंग की राह पर चलना हो तो आप उनको क्या सन्देश देना चाहेंगे?

Ans. मैंने जब शूटिंग प्रारंभ की थी तब साधन दुर्लभ थे और तकनीकें भी पुरानी थीं| फिर भी प्रतियोगिता से पहले मैं ईंट से तैयारी करता था जिससे शूटिंग के लिए मेरी बुनियाद मज़बूत हो गयी| मेरे अनुसार इस तरह की तैयारी हर शूटर के लिए महत्वपूर्ण है|

Q.5. कोविड-19 में लॉकडाउन का प्रभाव हर खिलाड़ी पर पड़ा था| आपने इन चुनौतियों का कैसे सामना किया?

Ans. कोविड के कारण काफ़ी खिलाडी, जो प्रगति कर रहे थे, उनकी गति पर रोक पड़ गयी| खेल को निखारने के लिए हमें एक के बाद एक प्रतियोगिताओं में भाग लेना पड़ता है| 2018 और 2019 में मेरा प्रदर्शन चरम पर था परंतु कोरोना काल में मैं भी ढीला पड़ गया था| हमारा लक्ष्य होता है कि हर प्रतियोगिता में हमारा प्रदर्शन पहले से बेहतर हो परंतु जब एक साल में केवल एक प्रतियोगिता हो तो यह अवसर भी छूट जाता है |

Q.6. हमारी जिंदगी में बहुत उतार चढ़ाव आते हैं परंतु कुछ पल हमारी जिंदगी बदल देते हैं| आपकी जिंदगी में ऐसे क्या पल हैं जो आप हमें बताना चाहेंगे?

Ans. सफलता सबको दिखती हैं परंतु सफलता के पीछे की कहानी बहुत कम लोगों को पता होती है| मैंने भी बहुत कठिनाइयों का सामना करते हुए शूटिंग में मेहनत की है| उतार चढ़ाव भी काफ़ी आये हैं जैसे एक बार मेरा पूरा शरीर टूट गया था परंतु मैंने हार नहीं मानी और परिश्रम करता गया जिसके कारण मैं आज यहाँ बैठा हूँ|

Q.7. आपने शूटिंग के साथ अपनी व्यक्तिगत जिंदगी में संतुलन किस प्रकार बनाये रखा?

Ans. फ़ौज में मेरा समय अधिकतर खेल संस्था में बीता था| इस कारण मेरा संतुलन फ़ौज की अन्य गतिविधियों के बजाये शूटिंग की तरफ अधिक था| मेरा ध्यान मेरे खान-पान और व्यायाम पर होता था| शूटिंग एक शारीरिक के साथ-साथ मानसिक खेल भी है जिसकी वजह से हमें अपने-आप को बाहरी नकारात्मकता से बचाना होता था क्योंकि एक बार एक खिलाड़ी परेशान हो जाता है तो फ़िर उसका खेल पर ध्यान देना कठिन हो जाता है|

Q.8. आपकी ओर से हम सभी के लिए कोई सन्देश या सुझाव?

Ans. मेरा सन्देश यही है कि आप लोग पढ़ाई के साथ-साथ खेलिए और जो भी सरकार सुविधाएँ दे रही है उनका उपयोग कीजिये| खेल में एक अच्छे स्तर पर पहुँचने से केवल एक व्यक्ति का ही नहीं परंतु पूरे देश का नाम रौशन होता है| मेहनत करें और स्वस्थ रहें जिससे आपका पढ़ाई में मन लगा रहे और आप गलत रास्तों से दूर रहें|

SCHEDULE : DAY 1

EVENT	ORGANIZED BY	TIME
Ignition	Gaming Club	10:00 - 20:00
Gen Sports Quiz	ELAS	18:00 - 20:00
Kabaddi, Tug of War	HCA	17:00 - 23:00
Open Mic & Karaoke	Radioaktiv	All Day
Human Foosball	Informalz	All Day
Face Painting	DoPy	All Day
Cheerleading Booth	DoPy	All Day
AntiChess	Informalz	All Day
Board Games	Informalz	All Day
Country Fair	Informalz	All Day
Adventure Zone	DLE	All Day

EVENT	VENUE	START TIME
Table Tennis	SAC	10:00
Football	GymG	10:00
Basketball	GymG	6:45
Cricket	MedC	7:00
Tennis	GymG	16:00
Squash	SAC	9:00
Chess	SAC	9:00
Hockey	GymG	9:30
Volleyball	GymG	6:00
Badminton	SAC	9:00
Athletics	GymG	7:00

बॉसम हिंदी प्रेस

हार्दिक, संस्कार, हर्ष लाम्बा, शाल्मली

ऋत्विक, **आर्यमन**, सर्वेश, जैनम, देव, आकाश, आरुषी, आर्ची, निशिका, भव्य, हिमांशी, आदित्य

मौलि, अमृत, मल्लिका, वैभव, सर्वाक्ष, वैष्णवी, चेतन, विदित, पुलकित, ध्रुव, अनुज, अवि, सार्थ, वंश, अक्षय